उपसंहार

प्रस्तुत **" राजीव गाँधी रास्ट्रीय स्वास्थ बिमा योजना "** यह लघु शोध प्रबंध विनोबा भावे ग्रामीण रुग्णालय वर्धा के रुग्णों पर आधारित है। इस अध्यन में शोध का परिचय देते हुए रुग्णों ,सावंगी मेघे , की समस्याओं का विश्लेषण पूर्व निर्मित परिकल्पनाओ के आधार पर किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन को पूर्ण करने के लिए विनोबा भावे ग्रामीण रुग्णालय अंतर्गत बिमा योजनाओ में जो भी हितधारक है उनको चयनीत किया गया है।

विनोबा भावे ग्रामीण रुग्णालय में राजीव गाँधी रास्ट्रीय स्वास्थ्य बिमा योजना की स्थिति

प्रस्तुत अध्ययन में सरणीयन के अंतर्गत प्राप्त तथ्यों के विश्लेषण के पश्यात निम्नवत प्रमुख निष्कर्ष प्राप्त हुए है-

1) वर्ष अनुसार भर्ती की संख्या की स्थिति में वर्ष प्रतिशत लोगों ने ही इस 2.52 में 2012 योजना का लाभ उठाया, वर्ष प्रतिशत लोगों ने लाभ उठाया 15.35 में 2013, में 2014 प्रतिशत 37.25 तक 2015 प्रतिशत लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया और जून 44.85 होता है कि लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया। इसका मतलब यही, राजीव गांधी जीवनदायी योजना शुरू होने से गरीबी रेखा के नीचे तथा गरीबी रेखा के उपर के लोगों को उचित स्वास्थ्य सेवा मिलने में मदद हुई अन्यथा इस योजना का प्रारंभ नही होता तो शायद इन गरीब लोगों की मृत्यु भी हो सकती थी।

2) राजीव गांधी राष्ट्रीय बीमा योजना के तहत पुरूषों और महिलाओं द्वारा उठाये हुए लाभ की स्थिति (तक 2015 जून) लोगों ने लिया है 6,925 तक इस योजना का लाभ 2015 से 2012 4384 जिसमे

   (%67) 2528 पुरूषों ने तथा (%67)महिलाओं ने इस योजना का लाभ उठाया। इस योजना मे अभी तक विनोबा भावे ग्रामीण रुग्णालय से सिर्फ ही महिलाओं ने ही लाभ 2528

उठाया है इसका मतलब यही होता है कि, पुरूषों के मुकाबले स्त्रियों ने इस योजना का कम लाभ उठाया है। इस बात पर अध्ययन करना जरूरी है।

3) राजीव गांधी राष्ट्रीय बीमा योजना के तहत पुरूषों और महिलाओं द्वारा उठाये हुए लाभ की स्थिति से अब तक इस पूरी योजना का लाभ वर्धा के लोगों ने बहुत अच्छी तरह से 2012 उठाया है, अभी तक वर्धा में (10.68) 740 लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया है। जो अन्य गावों की तुलना में अधिक है। धामनगावलोगों ने योजना का 335 से अभीतक (रेल्वे) अमरावती .है। वर्धा के अलावा अन्य जिलों से उदा 5.12 लाभ उठाया जो, यवतमाल, भंडारा, गोंदिया, गडचिरोली, नागपूर, वाशिम, अकोला, बीड, नांदेड, बुलढाणा इन सभी जिलों के रुग्णों ने वर्धा के आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण रुग्णालय मे आकर योजना का लाभ उठाया। राजीव गांधी जीवनदायी आरोग्य योजना उपर के सभी जिलों में कार्यान्वित होने के बावजूद इस योजना का लाभ उठाने हेतु लोग दूर दूर से आये हैं। इसका मतलब यही होता है कि आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण रुग्णालय मरीजों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा पुराने में सक्षम है।

4) आयुवार रुग्णों के उपचार की स्थिति अभी तक इस योजना के अंतर्गत साल 60 साल से 20 लोगों ने लाभ (4508) प्रतिशत 65.09 तक के लोगों ने सबसे ज्यादा लाभ उठाया। करिबन उठाया है, ही लाभ (443) प्रतिशत 6.39 साल तक के बच्चो ने सबसे कम 5 से 0 उठाया है, उसके बाद लोगों ने लाभ उठाया और (612) प्रतिशत 8.8 साल तक के लाभार्थी ने 19 से 6 लोगों ने इस योजना का लाभ (1,362) प्रतिशत 19.66 साल तक के लोगों ने 91 साल से 60 साल यह उमर के लोग घर के प्रधान होते है 60 साल से 20 उठाया है।, घर का सारा बोझ इन लोगों के भरोसे होता है, और घर के सारे लोग इन्ही के उपर निर्भर होते है। इस योजना ने ऐसे परिवार प्रमुख व्यक्ति को जीवनदान दिया है।

5) विभाग वार रुग्णों के फायदे किम स्थिति इस योजना के तहत अभीतक बहुत सारे प्रकार के रुग्ण इस योजना का लाभ उठाया। उदाहृदयरोग ., सीव्हीटी, त्वचारोग, मेंदूशास्त्र चिकित्सा, नेत्रशास्त्र, अस्थिशास्त्र, बालरोगशास्त्र, मानसशास्त्र, श्वसन शास्त्र, टीबीसी, मूत्रविसर्जन शास्त्र, और ऐसे ही बहुत सारे विभागों का लाभ विनोबा भावे ग्रामीण रुग्णालय, व्दारा लोगों ने उठाया। इसका मतलब यही होता है, कि विनोबा भावे ग्रामीण रूग्नालय में बहोतसे विशेष तज्ञ डॉक्टर होने के वजह से दूर दूर से लोग चिकित्सा कराने यहा पर आते हैं।-

6) वर्धा और दुसरे गावों द्वारा लिए गए लाभ के तुलना की स्थिति इस योजना का लाभ वर्धा के लोगों ने उठाया है 740, जो अन्य गावों की तुलना में सबसे अधिक है। सभी गाव और वर्धा के बीच अगर तुलना की जाए तो वर्धा के प्रतिशत लोगों ने लाभ उठाया और अन्य (10.68) प्रतिशत लोगों ने लाभ उठाया जो सबसे ज्यादा हैं। 89.32 गावों के मरीजों ने करीबन